धम्म की पृष्ठभूमि

अशोक ने जिस धम्म (धर्म) का प्रचार अपने अभिलेखों के माध्यम से सर्वसाधारण में किया वह उसके व्यक्तिगत धर्म से भिन्न था। अशोक का धम्म विभिन्न परिस्थियों के संयोग का परिणाम था। अशोक जिस पारिवारिक वातावरण में पला था, उसने उसकी मानसिकता को प्रभावित किया और उसके लिए यह स्वभाविक था कि वह नवीन धार्मिक आन्दोलनों के प्रति सहानुभूति रखे।

नवीन धार्मिक आन्दोलनों ने यदि एक ओर हिन्दू धर्म की कुरीतियों पर कुठाराघात किया तो दूसरी ओर सामाजिक विभाजन को बढ़ाता दिया। समाज में नये व्यापारी वर्ग का उदय हुआ। नगरों में इस वर्ग की शक्ति बढ़ने से सामाजिक विभाजन की यह प्रक्रिया और अधिक तीव्र हो गयी। समाज में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। जनसाधारण का झुकाव भी नवीन धार्मिक विचारों की ओर था। अतएव समाज में टकराव को रोकने, सामाजिक एकता को बनाये रखने और जनसाधारण की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अशोक ने धम्म के विचार को जन्म दिया।

डॉ० रोमिला थापर ने भी लिखा है: "अशोक को इस कार्य में इससे सहायता मिली कि इन सम्प्रदायों को व्यापारी वर्ग का समर्थन प्राप्त था और जन साधारण का बहुमत उसके विरुद्ध न था। इसके अतिरिक्त ये नवीन विचार उग्र रूप से पुराने विचारों के विरुद्ध न थे। जिसके कारण दोनों में समझौता सम्भव था। इस प्रकार अशोक ने धम्म के विचार को ग्रहण करने में व्यावहारिक लाभ देखा।"

मौर्य साम्राज्य की राजनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी 'धम्म' आवश्यक था। अशोक का साम्राज्य काफी विस्तृत था और इसमें अनेक जातियाँ और राजनीतिक इकाइयाँ थी जिनको एक सूत्र में बाँध कर रखना आवश्यक था। साम्राज्य में निवास करनेवाले नागरिकों में परस्पर इतने अधिक सांस्कृतिक मतभेद थे कि उन्हे एक सूत्र में बाँधने हेतु समान विचारधारा की जरूरत थी। नवीनतम विजित प्रदेशों या छोटी-छोटी स्वतंत्र राजनीतिक इकाईयों को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए भी एक ऐसी विचारधारा की आवश्यकता थी जो सभी को स्वीकार हो। शक्ति के सहारे विभिन्न राजनीतिक इकाइयों पर नियंत्रण रखना कठिन हो जाता है। उन्हे सैद्धान्तिक सूत्र में ही बाँध कर रखा जा सकता है। सम्भवतः अशोक ने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु 'धम्म' की खोज की थी। और बौद्ध धर्म का सहारा लिया था। बौद्ध धर्म उस समय एक शक्तिशाली और प्रभावशाली आन्दोलन था। अशोक के समय में बौद्ध धर्म केवल एक धार्मिक विश्वास ही नही था बल्कि वह विभिन्न स्तरों पर समाज को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करनेवाला एक सामाजिक और बौद्धिक आन्दोलन था। अतएव कुशल राजनीतिज्ञ के लिए

समझौता करना आवश्यक था। और अंग्रेजों ने, ऐसा ही किया।

धर्म का स्वरूप (Nature)

Scanned with CamScanner